Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding Farm Bills and fixing of MSP for 22 agricultural Crops.

श्री अधीर रंजन चौधरी: माननीय अध्यक्ष जी, बात यह है कि तोमर जी ने सदन में छः रबी फसल के एमएसपी पर इजाफे के लिए बहुत वाहवाही ली है। मैं शुरू में कहूंगा - यह हाथी के पेट में इलायची का दाना है। गेहूं में 50 रुपए का इजाफा किया। पिछले 11 साल में सबसे कम 1.85 परसेंट इजाफा हुआ।

दूसरी बात यह है, पिछले कई दिनों से सदन के अंदर, देश के हर प्रांत में खासकर पंजाब, हरियाणा और वैस्टर्न यूपी में किसानों के मुद्दे को लेकर, एमएसपी और प्रोक्योरमेंट के मुद्दे को लेकर लोग उत्तेजित हैं, लोग सड़क पर उतरे हैं। पंजाब के 90 परसेंट लोग सड़क पर उतरे हैं।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, इस विषय पर 17 सितम्बर को पांच घंटे इसी सदन में चर्चा हुई थी। मैंने हर माननीय सदस्य को पर्याप्त समय और अवसर दिया।

...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: माननीय अध्यक्ष जी, प्लीज़, मेरी बात सुनी जाए।...(व्यवधान)

हमारी मांग थी, हमारी पार्टी की मांग थी कि किसानों के साथ एमएसपी को विधेयक में शामिल किया जाए। आप कहते हैं कि सबको एमएसपी मिलेगा। इतने सालों से हर किसान तो मंडी में नहीं जाता था, प्राइवेट ट्रेड तो होते हैं। क्यों इतने सालों से प्राइवेट ट्रेड में सबको एमएसपी दिलाने का बंदोबस्त नहीं किया गया? लोगों का आप पर से भरोसा उठ गया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप विषय पर डिबेट न करें।

...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: आपने कल भी कहा था कि किसान को डबल रोजगार करना चाहिए, डबल इनकम होनी चाहिए, इसमें सीटू प्लस 50 परसेंट का इंतजाम नहीं किया। आपने कहा था कि सरकार दो करोड़ हर साल नौकरी देगी, जो नहीं हुआ।...**(व्यवधान)** हर व्यक्ति को 15 लाख विदेश से लाकर देंगे, वह भी नहीं हुआ। किसानों का आप पर भरोसा नहीं है।...**(व्यवधान)** हमारी मांग है कि विधेयक को वापस लें। ...**(व्यवधान)**

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, कोरोना संक्रमण वायरस चल रहा है। हमें सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी है।

...**(व्यवधान)**

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): This is a very serious matter. I support the views expressed by the hon. Members of the Congress Party. ...**(Interruptions)**

माननीय अध्यक्ष: मैं सभी माननीय सदस्य से कहूंगा कि वे अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी लें।

...**(व्यवधान)**

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं आप लोगों की सुरक्षा की चिंता कर रहा हूँ। इतने दिनों तक मैंने सुरक्षा की चिंता की है। आप सब स्वस्थ होकर अपने घर जाएं। देश और राष्ट्र की सेवा करें।

...**(व्यवधान)**

श्री कल्याण बनर्जी (श्रीरामपुर): माननीय अध्यक्ष जी, आज यहां जो बात किसानों के लिए उठाई गई है उसे सारा देश जानता है। ...**(व्यवधान)**

यहां जो बात आज अधीर जी ने उठाई है, हम उन बातों का फुली सपोर्ट कर रहे हैं। ...(व्यवधान) इसे देखना होगा। सुन लीजिए, हम सब एक हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप सबके स्वास्थ्य की चिंता को देखते हुए सभा की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

15.13 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirteen Minutes past Sixteen of the Clock.

16.15 hrs

The Lok Sabha reassembled at Fifteen Minutes past Sixteen of the Clock.

(Hon. Speaker in the Chair)

...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, कहावत यह है कि हमारे बगल में अगर किसी दूसरे के घर में आग लग जाए, तो हमारा घर भी नहीं बचता है। हमारे पड़ोसी को तकलीफ होगी, तो हमें भी तकलीफ होती है। ... *

हमारा मुद्दा यह था कि जो कृषि बिल है, उसे वापस लिया जाए। हमारा यही मुद्दा था और कुछ नहीं था। कम-से-कम इसमें एमएसपी शामिल किया जाए। बहुत मेहनत करने के बाद हमारे देश में हरित क्रांति आई थी, मण्डीकरण हुआ था और एमएसपी था। अभी मण्डीकरण का मण्डीकरण होने लगा है। किसान बड़ी परेशानी से गुजर रहे हैं। सारा पंजाब जल रहा है। दूसरी पार्टी के हमारे वरिष्ठ नेता श्री शरद पवार जी हंगर स्ट्राइक पर बैठे हैं। आप मानें या न मानें, इधर या उधर बात तो एक ही है

न? ... *... *** * * * *** इसलिए अगर श्री तोमर साहब यह वायदा करें कि हम कृषि बिल वापस लेंगे, क्योंकि अभी तक इस पर माननीय राष्ट्रपति जी का सिग्नेचर नहीं हुआ है। यदि आप कृषि बिल वापस लेंगे, तो हमें सदन चलाने में कोई असुविधा नहीं है।... (व्यवधान) इसलिए मैं सरकार से गुज़ारिश करता हूँ, विनती करता हूँ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप एक सीनियर सदस्य हैं। लोक सभा में पाँच घंटे तेरह मिनट तक इस पर चर्चा हो चुकी है। सदन इस विधेयक को पारित कर चुका है। आप सीनियर नेता हैं, ऐसी बात न करें। आप सबने ही इस सदन में इस विधेयक को पारित किया है। पाँच घंटे तेरह मिनट तक इस पर चर्चा हुई है। सदन में चर्चा करना आपका अधिकार है। मैं हर विषय पर चर्चा कराना चाहता हूँ। आज भी बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर, देश के मजदूरों के विषय पर बिल लगे हुए हैं, मेरा आपसे आग्रह है कि इन सारे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी चाहिए, संवाद होना चाहिए, वाद-विवाद होना चाहिए। सहमति और असहमति हमेशा लोकतंत्र की परम्परा रही है। मैं आप सबको बोलने का मौका दूंगा।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बैठकर बोलिए।

... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, यह सरकार किसान का विरोध करती है, ... (व्यवधान) यह सरकार मजदूरों का भी विरोध करती है।... (व्यवधान) ये जो दोनों बिल लाए गए हैं, यह किसान विरोधी, श्रमिक विरोधी और मजदूर विरोधी है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, नो। आप चर्चा कीजिए।

... (व्यवधान)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF COAL AND MINISTER OF MINES (SHRI PRALHAD JOSHI):

Whatever has happened or transacted in the other House has never been discussed in this House. It is highly unfortunate that this is being discussed now....(*Interruptions*)

मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि यह जो बिल है, उस पर ... * मैं उसकी चर्चा यहाँ पर नहीं करना चाहता हूँ। ... * मैं इसकी चर्चा नहीं करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि इस बिल के बारे में चर्चा हो। माननीय नरेन्द्र मोदी जी को...(व्यवधान)

DR. FAROOQ ABDULLAH (SRINAGAR): ... *

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Sir, my only question or clarification from the Parliamentary Affairs Minister is this. What is the Bill? The Bill has been discussed in the Lok Sabha as well as ... * Am I correct? ...(*Interruptions*) Only after getting the consent of the Lok Sabha and the Rajya Sabha the Bill has to be sent to the President of India for his assent. ...(*Interruptions*) What has happened here? We have discussed the Bill. Yesterday, ... * but after discussing the Bill, it has not been given proper consent to by the Members of Parliament. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: नो, वहां की चर्चा यहां नहीं होगी।

...(व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Yes. ...(*Interruptions*)

SHRI T. R. BAALU : Sir, this is not good. ...(*Interruptions*) This is not the practice. ...(*Interruptions*) It cannot be sent to the President of India. ...(*Interruptions*) It is very bad. ...(*Interruptions*)

Sir, it is very badly constituted. ...(*Interruptions*) We cannot allow such a legislation to be passed. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Hon. Member, you are a senior Member of Parliament.

... (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No.

... (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, राज्य सभा की चर्चा इस सदन में नहीं होनी चाहिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: कल्याण जी, आप बोलिए।

...(व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE: Sir, the farmers all over India are fighting against the Bill. There may be brutal majority of the Bharatiya Janata Party (BJP), लेकिन इस तरीके से फार्मर्स के ऊपर जो हो रहा है। ... (व्यवधान) सर, आपने मुझे 15 सेकेंड्स भी नहीं बोलने दिया। ... *... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: फिर राज्य सभा? आप सीनियर मेंबर हैं, एडवोकेट हैं।

...(व्यवधान)

श्री कल्याण बनर्जी: सर, मेरी बात सुनिए न। ...(व्यवधान) यह जो मुद्दा है, ... * ...(व्यवधान) उनकी हिम्मत नहीं हुई। ...(व्यवधान) यह गलत बात है। ...(व्यवधान) यह गलत है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप क्या बोलना चाहते हैं?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप बैठकर बोलिए। क्या मैंने आपको बोलने के लिए पूरा समय नहीं दिया?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने इस सदन में चर्चा के लिए पांच घंटे का समय दिया है।

...(व्यवधान)

श्री रितेश पाण्डेय (अम्बेडकर नगर): अध्यक्ष जी, आपने बिलकुल समय दिया है। ...(व्यवधान) उसके लिए आपका धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, बहुजन समाज पार्टी केवल इतनी मांग कर रही हैं कि ये जो खरीफ में आपने दाम बढ़ाने का काम किया है, आदरणीय अध्यक्ष जी, इसको विधेयक में लाया जाए, तब ही किसानों की समस्या का समाधान हो पाएगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मंत्री जी की बात सुनिए।

...(व्यवधान)

कृषि और किसान कल्याण मंत्री; ग्रामीण विकास मंत्री तथा पंचायती राज मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर): माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के ... *...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मंत्री जी एक मिनट के लिए रुकिए।

...(व्यवधान)

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): थैंक-यू स्पीकर साहब। आज आपने कहा कि मजदूरों के बहुत महत्वपूर्ण बिल्स लगे हुए हैं। ...(व्यवधान) इन मजदूरों में एग्रीकल्चरल मजदूर भी हैं। ...(व्यवधान) आज के बिल्स में इन एग्रीकल्चरल मजदूरों के बारे में कुछ भी नहीं है। ...(व्यवधान)

16.24 hrs

*(At this stage, Shri Gaurav Gogoi and some other hon. Members came
and stood on the floor near the Table.)*

माननीय अध्यक्ष: जब बिल्स पर बात करेंगे, चर्चा करेंगे, तब ही तो पता चलेगा।

...(व्यवधान)

श्री नामा नागेश्वर राव: सर, एक मिनट और बोलने दीजिए । ...(व्यवधान) हमारी दूसरी रिक्वेस्ट है कि देश में 'जय जवान, जय किसान' का नारा था, हमारे जवान बॉर्डर्स पर फाइट कर रहे हैं, हमारे किसान रोड पर आए हैं । ...(व्यवधान) इसलिए, हम गवर्नमेंट से विनती करना चाहते हैं कि वह कम से कम किसानों के बारे में थोड़ा पॉज़िटिव-वे में सोचे । ...(व्यवधान) आपके सारे बिल्स पास हो जाएंगे । ...(व्यवधान) यह बिल भी पास हो जाएगा, लेकिन बिल्स पास करना एक बात है और सबकी सहमति से पास होना अलग बात है । ...(व्यवधान) गवर्नमेंट एक दफा इस बारे में सोचे, रीथिंक करे । ...(व्यवधान) देश के किसान के बारे में थोड़ा सोचे । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सबकी सहमति से बिल पास होगा ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, मैंने इस सदन के अंदर सभी माननीय सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर दिया है, ताकि आप सब यहां चर्चा करें । मैं आज के विधेयक पर भी चर्चा कराना चाहता हूं ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: राज्य सभा के बारे में की गई कोई भी टिप्पणी रिकॉर्ड में नहीं जाएगी ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, आप बोलिए ।

...(व्यवधान)

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर: माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जैसा पूर्व में कह रहा था, कांग्रेस के ... *... (व्यवधान) कांग्रेस सदन के भीतर कुछ कहती है, जनता के बीच में जाकर कुछ कहती है। ... (व्यवधान) आज जो आंदोलन चल रहा है, उसमें किसान नहीं हैं। ... (व्यवधान) ये कांग्रेस प्रेरित लोग हैं और सारा देश इस बात को जानता है। ... (व्यवधान) मैंने उस दिन अपने जवाब में कहा था कि जिन सुधारों को लेकर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी हाउस में आए थे, उन सुधारों से निश्चित रूप से किसान का भला होने वाला है, किसान आगे बढ़ने वाला है, खेती की ग्रोथ-रेट बढ़ने वाली है।

किसान की माली हालत में सुधार आने वाला है। ... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय किसान टेक्नोलॉजी से जुड़ने वाला है। खेती के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व और क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। मैं बार-बार कांग्रेस के लोगों को भी समझाने का प्रयास कर रहा था। ... (व्यवधान) मैं देश के किसानों को भी कहना चाहता हूँ कि कांग्रेस के इस भ्रम में आने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि कांग्रेस सिर्फ दुष्प्रचार कर रही है। कांग्रेस के समय में भी एमएसपी एक्ट का भाग नहीं थी। हमने कहा कि एमएसपी जारी रहेगी। ... (व्यवधान) प्रधान मंत्री जी ने भी देश को कहा है कि एमएसपी जारी रहेगी। कल आपने देखा कि रबी की एमएसपी बुआई से पहले ही भारत सरकार ने घोषित कर दी है। समर्थन मूल्य के प्रति जो मोदी सरकार की प्रतिबद्धता है, वह इससे प्रकट होती है। ... (व्यवधान)

यह भी सारा देश जानता है कि कांग्रेस, यूपीए की सरकार 10 वर्षों तक शासन में रही। इन्होंने स्वामीनाथन साहब की रिकमेंडेशन को स्वीकार नहीं किया। मोदी जी ने ही आकर उस रिकमेंडेशन को स्वीकार किया और डेढ़ गुना एमएसपी बढ़ाई। तब से लेकर लगातार एमएसपी बढ़ती आ रही है। ... (व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से देश को यह बताना चाहता हूँ और कांग्रेस के लोगों को भी यह समझना चाहिए कि वर्ष 2009 से वर्ष 2014 के बीच में एमएसपी के माध्यम से किसानों को जो पेमेंट हुआ था, उससे तीन गुना पेमेंट सात लाख करोड़ रुपये हम लोगों ने छः वर्षों में किसानों को दिया है और भारत सरकार लगातार इस बात की कोशिश कर रही है। ... (व्यवधान) हमने सिर्फ कानून ही रिफॉर्म नहीं किए हैं, बल्कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहले एमएसपी को बढ़ाया, उसके बाद पीएम किसान योजना के माध्यम से 75 हजार करोड़ रुपये प्रति वर्ष भारत सरकार के खजाने से निकालकर किसानों की जेब तक पहुंचाने का काम किया। वहीं दस हजार एफपीओ बनाकर किसान की आवाज को ताकत देने की जो घोषणा की है और उस पर निश्चित रूप से अमल किया जा रहा है। ... (व्यवधान)

महोदय, एक लाख करोड़ रुपये का इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड जो गांव-गांव तक पहुंचना है, किसान के पास टेक्नोलॉजी पहुंचनी है, फूड प्रोसेसिंग प्लांट पहुंचना है, वेयरहाउस पहुंचना है और कोल्ड स्टोरेज पहुंचने हैं। ये सब ठीक से क्रियान्वित हों, खेती और किसानों आगे बढ़े, इसके लिए कानूनी रिफॉर्म्स जरूरी थे। ये कानूनी रिफॉर्म्स कांग्रेस भी चाहती थी, लेकिन दलालों के प्रभाव और दबाव के कारण कांग्रेस यह हिम्मत नहीं कर पाई। ... (व्यवधान) इसी वजह से नरेन्द्र मोदी जी को यह कदम उठाना पड़ा। कांग्रेस के लोग जिस प्रकार का आचरण कर रहे हैं, मैं उसे देखकर निश्चित रूप से हैरान हूँ।

कांग्रेस के लोग अपने मेनिफेस्टो में इन्हीं रिफॉर्म्स के बारे में बात करते हैं। मनमोहन सिंह जी इसी रिफॉर्म के बारे में बात करते हैं। शरद पवार साहब का वर्जन इसी रिफॉर्म के बारे में है, 'नेशनल कमीशन फॉर' का वर्जन इसी रिफॉर्म के बारे में है। शरद जोशी जी, जो किसान नेता थे, वह इन रिफॉर्म्स के बारे में कहते थे। ... (व्यवधान) जब हम इसको लेकर आए और जब इनको लगा किसान अब भारतीय जनता पार्टी के पीछे खड़ा हो जाएगा, नरेन्द्र मोदी जी के पीछे खड़ा हो जाएगा, किसान के जीवन स्तर में बदलाव आएगा, तो कांग्रेस के लोगों के पेट में दर्द हो रहा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के लोगों का जो ... * ... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, हमें तोमर साहब से बहुत उम्मीद थी कि कम से कम हिन्दुस्तान के किसानों को राहत देने के लिए वह कुछ कहेंगे, लेकिन बड़ा दुख हुआ कि तोमर साहब ने फिर भी ... * का सहारा लेते हुए आम लोगों को, किसानों को गुमराह करने का प्रयास जारी रखा। जब वर्ष 2014 से आप सत्ता में आए हैं, उसके बाद हिन्दुस्तान के किसान, हिन्दुस्तान का मजदूर, हिन्दुस्तान के बेरोजगार दुखी हैं और सबको कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी क्या मांग थी? हमारी यह मांग थी कि आप एमएसपी को बरकरार रखें। आपने यहां बिल पास करा दिया। ... * आपकी सरकार वहां चाहे जो भी नेतृत्व दे, लेकिन आपकी सरकार के आदेश के बिना कुछ नहीं हो सकता है।

इसलिए हम हमारे ... * के साथ खड़े हुए हैं। हम सभी विरोधी पक्ष के लोग सदन का बहिष्कार करते हैं। ... (व्यवधान) हमें बहिष्कार करने के लिए आपने मजबूर किया है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : राज्य सभा के बारे में की गई कोई भी टिप्पणी सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनेगी।

...(व्यवधान)

16.29 hrs

*(At this stage Shri Adhir Ranjan Choudhury and some other hon. Members
left the House.)*